1. **सिंचाई का मुख्य उद्देश्य क्या है?**
   A. जल संग्रहण करना
   B. वायुमंडल को ठंडा करना
   C. पौधों के लिए मृदा में आवश्यक नमी की पूर्ति करना
   D. खेतों की सफाई करना (C)

व्याख्या : सिंचाई का प्रमुख उद्देश्य मृदा में पौधों की वृद्धि हेतु आवश्यक नमी की पूर्ति करना है।

2. **किस स्थिति में फसलों में सिंचाई करना आवश्यक हो जाता है?**
   A. जब पत्तियाँ हरियाली से भर जाएँ
   B. जब पत्तियाँ प्रातःकाल में लगातार मुरझाई हुई दिखाई दें
   C. जब मिट्टी सूखने लगे
   D. जब खेतों में खरपतवार अधिक हो (B)

व्याख्या : यदि दो-तीन दिन लगातार प्रातः पत्तियाँ मुरझाई दिखें, तो वह जल की कमी का संकेत है और सिंचाई आवश्यक है।

3. **'Leaf temperature' आधारित सिंचाई निर्धारण का सिद्धांत क्या है?**
   A. पौधों में वाष्पन से ठंडक आती है
   B. जल अधिक हो तो तापमान बढ़ता है
   C. पत्तियों का तापमान जल की कमी से बढ़ता है
   D. जल अधिक होने से पत्तियाँ झुलस जाती हैं (C)

व्याख्या : जल की कमी से पर्णरंध्र बंद हो जाते हैं जिससे वाष्पोत्सर्जन घटता है और पत्तियों का तापमान बढ़ जाता है।

4. **'चौकेबार सिंचाई विधि' में प्रमुख लाभ क्या है?**
   A. कम श्रमिकों की आवश्यकता
   B. ऊबड़-खाबड़ भूमि पर भी उपयोगी
   C. जल वितरण समान होता है
   D. बिना समतलीकरण के काम चलता है (B)

व्याख्या : चौकेबार विधि में जल वितरण समान होता है जिससे खेत के प्रत्येक भाग को समान जल मिलता है।

5. **'बोर्डर पट्टी सिंचाई विधि' किस प्रकार की फसलों के लिए उपयुक्त है?**
   A. धान
   B. पंक्तिबद्ध फसलें
   C. पास-पास बोई जाने वाली फसलें जैसे गेहूं
   D. बागवानी फसलें (C)

व्याख्या : यह विधि गेहूं जैसी पास-पास बोई गई फसलों के लिए उपयुक्त होती है।

6. **'कुंड सिंचाई विधि' विशेष रुप से किन फसलों के लिए उपयुक्त मानी जाती है?**
   A. धान और जौ
   B. गन्ना और गेहूं
   C. मक्का और ज्वार
   D. आलू और मूली (C)

व्याख्या : कुंड विधि पंक्तियों में बोई जाने वाली फसलों जैसे मक्का और ज्वार के लिए उपयुक्त होती है।

7. **बूंद-बूंद सिंचाई प्रणाली की विशेषता क्या है?**
   A. जल की अधिक मात्रा की आवश्यकता होती है
   B. पत्तियों पर जल छिड़का जाता है
   C. जल सीधे पौधों की जड़ों में टपकता है
   D. यह केवल पहाड़ी क्षेत्रों में उपयोगी है (C)

व्याख्या : इस विधि में जल पौधों की जड़ों में बूंद-बूंद टपकता है जिससे नमी बनी रहती है और पानी की बचत होती है।

8. **बौछारी सिंचाई प्रणाली का एक मुख्य लाभ क्या है?**
   A. केवल भारी भूमि में उपयोगी
   B. सिंचाई के साथ साथ कटाई भी होती है
   C. खेत में वर्षा जैसा वातावरण तैयार करना
   D. पानी को गर्म करके उपयोग करना (C)

व्याख्या : बौछारी विधि में पानी को वर्षा के रूप में फसल पर छिड़का जाता है जिससे यह विधि वर्षा की नकल करती है।

9. **'अवपृष्ठीय सिंचाई प्रणाली' में पानी कहाँ से फसल को दिया जाता है?**
   A. पत्तियों पर
   B. पम्प द्वारा छिड़काव
   C. सतह के नीचे से
   D. हवादार पाइप से ऊपर से (C)

व्याख्या : इस विधि में सिंचाई भूमि की सतह के नीचे से की जाती है, जिससे जड़ों को सीधा पानी मिलता है।

10. **निम्न में से कौन-सी सिंचाई विधि लवणीय जल के लिए उपयुक्त नहीं मानी जाती है?**
   A. चौकेबार सिंचाई
   B. कुंड सिंचाई
   C. बौछारी सिंचाई
   D. बूंद-बूंद सिंचाई (B)

व्याख्या : कुंड सिंचाई विधि लवणीय जल के लिए उपयुक्त नहीं होती क्योंकि इससे मेड़ों पर लवण एकत्रित होकर पौधों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

मिशन ज्ञान पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES